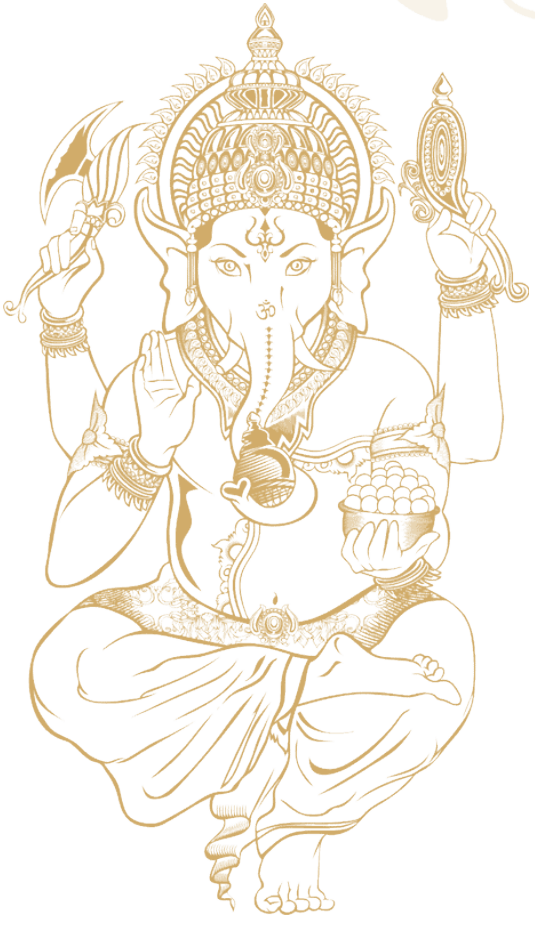

Mr. Sagar Saurabh

Ms. Divya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119558708

पुल्लिंग :	लिंग	:	स्त्रीलिंग
12-13/10/1997 :	जन्म तिथि	:	23/07/2000
रवि-सोमवार :	दिन	:	रविवार
घंटे 02:26:00 :	जन्म समय	:	05:45:00 घंटे
घटी 50:17:53 :	जन्म समय(घटी)	:	00:21:25 घटी
India :	देश	:	India
Dadri :	स्थान	:	Delhi
28:33:00 उत्तर :	अक्षांश	:	28:39:00 उत्तर
77:33:00 पूर्व :	रेखांश	:	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	:	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:48 :	स्थानिक संस्कार	:	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	:	00:00:00 घंटे
06:18:50 :	सूर्योदय	:	05:37:33
17:52:24 :	सूर्यास्त	:	19:17:14
23:49:29 :	चित्रपक्षीय अयनांश	:	23:51:39

विंशोत्तरी राहु 13वर्ष 9मा 5दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 14वर्ष 1मा 8दि
गुरु	03:48:44	सिंह	लग्न	कर्क	07:19:38	शुक्र
19/07/2011	25:44:26	कन्या	सूर्य	कर्क	06:35:54	31/08/2021
19/07/2027	09:48:13	कुंभ	चंद्र	मीन	18:56:09	31/08/2041
गुरु 06/09/2013	16:03:00	वृश्चि	मंगल	कर्क	00:15:42	शुक्र 30/12/2024
शनि 19/03/2016	25:00:45	कन्या	बुध	मिथु	17:55:00	सूर्य 31/12/2025
बुध 25/06/2018	18:18:14	मक	गुरु	वृष	10:33:10	चन्द्र 31/08/2027
केतु 01/06/2019	11:12:06	वृश्चि	शुक्र	कर्क	18:02:07	मंगल 31/10/2028
शुक्र 30/01/2022	22:52:14	मीन व	शनि	वृष	04:52:13	राहु 31/10/2031
सूर्य 18/11/2022	25:39:47	सिंह	राहु व	कर्क	00:43:44	गुरु 01/07/2034
चन्द्र 19/03/2024	25:39:47	कुंभ	केतु व	मक	00:43:44	शनि 31/08/2037
मंगल 23/02/2025	10:54:46	मक व	हर्ष व	मक	25:43:59	बुध 01/07/2040
राहु 19/07/2027	03:21:34	मक	नेप व	मक	11:27:06	केतु 31/08/2041
	09:58:48	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:30:37	

लग्न-चलित

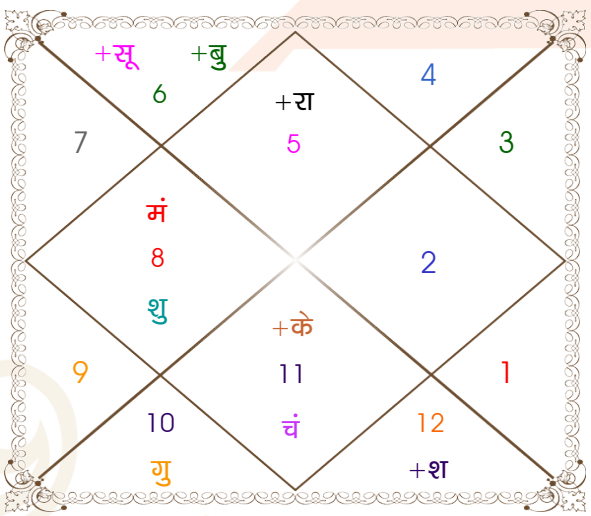

लग्न-चलित

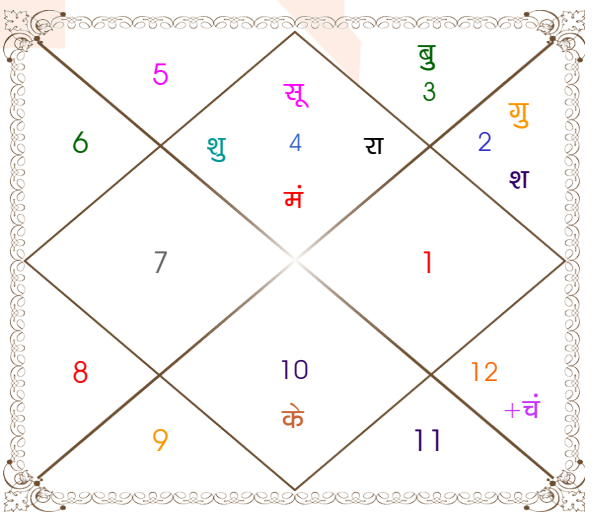

Shivshakti jotish sadan
Nakshtra darpan, Mata Wali Gali, Dadri, Uttar Pradesh 203207, India
8077312012,9412412012
acharyaji12012@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr. Sagar Saurabh का वर्ग मार्जार है तथा Ms. Divya का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Sagar Saurabh और Ms. Divya का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Sagar Saurabh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Mr. Sagar Saurabh कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. Sagar Saurabh कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. Divya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. Divya कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms. Divya कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. Divya कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr. Sagar Saurabh कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Sagar Saurabh तथा Ms. Divya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।